बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली ११००३४

हिंदी

रैदास

प्रिय विद्यार्थियो !

आज हम **स्पर्श भाग -१** के पद्य खंड से कवि रैदास के विषय में पढ़ेंगे।

अधिक जानकारी के लिए ---

https://www.youtube.com/watch?v=h91OVN5VuTQ

रैदास (पाठ-7) ⬇
https://drive.google.com/open?id=1NqzkCwHl_rw2vBQSYQLQwmz_n8lU1R0e

पद का सारांश कुछ इसप्रकार है -

दूसरे पद "ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै "में कवि रैदास ने भगवान की उदारता, कृपा और उनके समदर्शी स्वभाव का वर्णन किया है। रैदास कहते हैं उनका भगवान गरीबों का रक्षक व उनका उद्धार करने वाला है। ईश्वर नीच कुल के भगतों को भी सहज भाव से अपनाते हैं और लोक में उन्हें सम्मानीय स्थान देते हैं। उसने नामदेव ,कबीर ,तिलोचन ,सधना और सैनु जैसों को भी तारा है।

BBPS PITAMPURA

Aपद्यांश को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही को चुनकर लिखिए तथा दिए गए प्रश्नों के भी संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

२

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथे छत्र धरै।
जाकी छोती जगत कउ लागै ता पर तुहीं धरै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोविंदु काहू ते न डरै।
नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभी सरै।

शब्द	**अर्थ**
माथै	माथा /मस्तक
छत्रु	मुकुट
तुहीं	तुम्हीं
जगत	संसार
धरै	धारण करना
छोति	छूत /अस्पृश्यता
गोविंदु	ईश्वर
काहू	किसी से
हरिजीउ	परमात्मा से
सभै	सब कुछ

BBPS PITAMPURA

नोट- दूसरे पद की प्रत्येक पंक्ति का संक्षिप्त अर्थ -

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।

हे मेरे स्वामी ,ऐसा तुम्हारे अलावा कौन कर सकता है।

गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।

दिन -दुखियों पर दया करनेवाले मेरे प्रभु के मस्तक पर ज्ञान का तेज झलकता है या माथे पर छत्र धारण करता है।

जाकी छोति जगत कउ लागे ता पर तुहीं धरै

संसारी लोग जिन से छुआछूत का व्यवहार करते हैं तू उन के प्रति भी द्रवित होता है।

नीचहु ऊच करै मेरा गोविंदु काहू ते न डरै।

मेरा गोविंद किसी से नहीं डरता, सब को समान भाव से देखता है ,वह नीच को भी ऊँचे आसन पर विराजमान कर देता है।

नामदेव कबीरु तिलोचन सधना सैनु तरै।

नामदेव, कबीर, त्रिलोचन, सधना, सैनु जो नीच कुल में जन्में थे, प्रभु कृपा से अमर हो गए ।

कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै।

कवि रैदास जी कहते हैं कि सुनो रे संतो,ईश्वर साथ दे तो सब कुछ संभव है ।

BBRSPITAMPURA

प्रश्न विकल्प सहित ---

क) प्रभु अपने मस्तक पर क्या धारण करते हैं ?

i.तिलक ii. मोर पंख iii. फूल iv.छत्र

ख) कवि ने "गरीब निवाजु "किसे कहा है ?

i.पंडित को ii.प्रभु को iii.स्वयं को iv.अमीर आदमी को

ग) कवि का प्रभु किस पर दया करता है ?

i.अछूत पर ii.अमीर पर iii.इस पर iv.उस पर

घ) कवि ने प्रभु को किन -किन नामों से पुकारा है ?

i.नामदेव-सधना ii.गरीब निवाजु-गोविंदु iii.कबीर-गोविंद iv.तिलोचन-सैनु

ड़) निम्न -शब्दों में से कौन से विपरीतार्थक हैं ?

i.नीचहु --ऊच ii.जाकी --छोति iii.सधना --सैनु iv.संतहु -हरिजीउ

निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए ---

क) हरि जी के लिए क्या-क्या संभव है?

ख) गरीबों का मसीहा कौन है?

ग) प्रभु का ह्रदय किन्हें देखकर द्रवित होता है?

घ) रैदास ने पदों में किस भाषा का प्रयोग किया है?

ड़) रैदास का गोविंद किसे ऊँचे स्थान पर बिठा देता है?

BBPS,PITAMPURA